# INDOLIZER®

**Granules**

**Biostimultant Based on Seaweed Extracts**

Indolizer® Granules is a microbiology research product derived from Seaweed Extracts through unique process. An advanced technology formulation to stimulate various plant processes and maximize plant growth and yield.

**Composition:**
Liquid Biomass Containing : Seaweed Extracts, Hydrolyzed proteins & Amino acids : 5% Min., Carrier Bentonite Granules : to make 100%, **Total : 100.00%**

**Specification:**
Colour: Black colour granules, Odour: Marine, pH: > 4.00, Bulk density: >0.80.

**Direction & Method of Application:**
For Agriculture use only. Mix Indolizer® Granules 10-15 kg with recommended doses of fertilizer (RDF) and broadcast in one hectare area.
For small trees (<5 years) apply Indolizer® Granules 200 g per tree and for big trees more than 5 years, apply Indolizer® Granules 500g per tree mixed with recommended doses of fertilizer and apply near root zone.

| Crop | Application | Time |
|---|---|---|
| Wheat/ Jowar/ Bajra/ Maize | 1st Application | 15-20 days after sowing along with recommended dose of fertilizer |
| | 2nd Application | At reproductive stage, At panicle initiation in Wheat |
| Paddy | 1st Application | 15-20 days after transplanting along with recommended dose of fertilizer |
| | 2nd Application | At panicle initiation stage |
| Cotton | 1st Application | At the time of sowing along with recommended dose of fertilizer |
| | 2nd Application | 40 to 45 days after sowing along with fertilizer |
| Soybean | 1st Application | At the time of sowing along with recommended dose of fertilizer |
| | 2nd Application | 40 to 45 days after sowing along with fertilizer |
| Sugarcane | 1st Application | At the time of Pre-planting along with fertilizer |
| | 2nd Application | 50 to 60 days after planting along with fertilizer |
| Banana | 1st Application | At the time of planting along with fertilizer |
| | 2nd Application | 60 to 75 days after planting along with fertilizer |
| | 3rd Application | At flower initiation and fruit development |
| Vegetable, Chilli, Cauliflower, Tomato, Brinjal, Carrot, Coriander, Cabbage | 1st Application | At the time of sowing / transplanting along with recommended dose of fertilizer |
| | 2nd Application | 20-30 days after 1st Application |
| Onion / Garlic | 1st Application | 10 days after transplanting |
| | 2nd Application | 30-35 days after transplanting at bulb formation stage |
| Potato | 1st Application | At the time of sowing along with recommended Dose of fertilizer |
| Tea | 1st Application | Young plants 20gm per plant near root zone |
| | 2nd Application | Apply after every 30-35 days |
| Apple | | For small trees (<5 years) apply Indolizer® Granules 200 g per tree and for big trees more than 5 years, apply Indolizer® Granules 500g per tree mixed with recommended doses of fertilizer and apply near root zone. |

**Dosage :** Use 10-15 kg per hectare
**Compatibility :** Compatible with most of the fertilizers.
**Storage conditions :** Keep in original container tightly closed at safe place. Avoid storing in direct sun light and freezing temperature.
**Caution :** Keep out of reach of children.
**First Aid Measures :** There are no specific hazards known to be associated with this product, although precautions should be taken to avoid unnecessary contact with skin, eyes and mouth. Eyes: Irrigate thoroughly with water at least 10 minutes. If discomfort persists obtain medical attention. Skin: Wash skin thoroughly with water. Remove contaminated clothing and wash before reuse. In severe cases obtain medical attention. Ingestion: Wash out mouth thoroughly with water, obtain medical attention. Inhalation: Remove from exposure in open air. In severe cases obtain medical attention.
**Disclaimer :** As use of this product is beyond our control, we do not take any responsibility other than uniform quality of the product.

English

# इन्डोलाईजर

**ग्रॅन्यूल्स** — **समुद्री शैवाल के अर्क पर आधारित बायोस्टिमुलेंट**

इन्डोलाईजर ग्रॅन्यूल्स सूक्ष्म जीव विज्ञान अनुसंधान उत्पाद है जो अद्वितीय प्रक्रिया के माध्यम से समुद्री शैवाल के अर्क से प्राप्त होता है। विभिन्न पौधों की प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित करने और पौधों की वृद्धि और उपज को अधिकतम करने के लिए यह एक उन्नत तकनिकी निर्माण है।
**संरचना:** तरल बायोमास युक्त: समुद्री शैवाल का अर्क, हाइड्रोलाइज्ड प्रोटीन और अमीनो एसिड: ५% न्यूनतम, कैरियर बेंटोनाइट ग्रॅन्यूल्स: १००% बनाने के लिए, **कुल : १००.००%**
**विनिर्देश:**
रंग: काले रंग के दाने, गंध: समुद्री, पीएच: >४.००, थोक घत्व: >०.८०.
**उपयोग के दिशा निर्देश व तरीका:**
केवल कृषि उपयोग के लिए। इन्डोलाईजर ग्रॅन्यूल्स को १०-१५ किलो उर्वरक (आरडीएफ) की सुझाई खुराक में मिलाएं और एक हेक्टेयर क्षेत्र में फैलाएं।
छोटे पेड़ों के लिए (<५ साल) इन्डोलाईजर ग्रॅन्यूल्स २०० ग्राम प्रति पेड़ और ५ साल से बड़े पेड़ों के लिए, इन्डोलाईजर ग्रॅन्यूल्स ५०० ग्राम प्रति पेड़ उर्वरक की सुझाई खुराक में मिलाएं और जड़ के पास लगाएं।

| पीक | उपयोग | समय |
|---|---|---|
| गेहूं/ ज्वार/बाजरा/ मक्का | पहला उपयोग | बुवाई के १५-२० दिन बाद उर्वरक की सुझाई खुराक के साथ |
| | दूसरा उपयोग | पुनरुत्पादक अवस्था, गेहूं में बाली आने की अवस्था |
| धान | पहला उपयोग | रोपाई के १५-२० दिन बाद उर्वरक की सुझाई खुराक के साथ |
| | दूसरा उपयोग | बाली आने की अवस्था |
| कपास | पहला उपयोग | बुवाई के समय उर्वरक की सुझाई खुराक के साथ |
| | दूसरा उपयोग | बुवाई के ४० से ४५ दिन बाद उर्वरक के साथ |
| सोयाबीन | पहला उपयोग | बुवाई के समय उर्वरक की सुझाई खुराक के साथ |
| | दूसरा उपयोग | बुवाई के ४० से ४५ दिन बाद उर्वरक के साथ |
| गन्ना | पहला उपयोग | बुवाई से पहले उर्वरक के साथ |
| | दूसरा उपयोग | उर्वरक के साथ रोपण के ५० से ६० दिन बाद |
| केला | पहला उपयोग | उर्वरक के साथ रोपण के समय |
| | दूसरा उपयोग | उर्वरक के साथ रोपण के ६० से ७५ दिन बाद |
| | तीसरा उपयोग | फूल आने और फल विकास पर |
| सब्जी, मिर्च, फूल गोभी, टमाटर, बैंगन, गाजर, धनिया, पत्ता गोभी | पहला उपयोग | बुवाई/रोपाई के समय उर्वरक की सुझाई खुराक के साथ |
| | दूसरा उपयोग | दूसरा उपयोग पहले उपयोग के २०-३० दिन बाद |
| प्याज/लहसुन | पहला उपयोग | रोपाई के १० दिन बाद |
| | दूसरा उपयोग | कंद बनने के चरण में रोपाई के ३०-३५ दिन बाद |
| आलू | पहला उपयोग | बुवाई के समय उर्वरक की सुझाई खुराक के साथ |
| | दूसरा उपयोग | कंद बनने के चरण में रोपाई के ३०-३५ दिन बाद |
| चाय | पहला उपयोग | जड़ क्षेत्र के निकट नए पौधों में २० ग्राम प्रति पौधा |
| | दूसरा उपयोग | हर ३०-३५ दिनों के बाद उपयोग करें |
| सेब | छोटे पेड़ों (<५ साल) के लिए इन्डोलाईजर ग्रॅन्यूल्स २०० ग्राम प्रति पेड़ लगाएं और ५ साल से बड़े पेड़ों के लिए, इन्डोलाईजर ग्रॅन्यूल्स ५०० ग्राम प्रति पेड़ उर्वरक की सुझाई खुराक के साथ मिश्रित करें और जड़ क्षेत्र के पास लगाएं। | |

**मात्रा :** १०-१५ किलो प्रति हेक्टेयर उपयोग करें
**अनुकूलता :** अधिकांश उर्वरकों के साथ सुसंगत।
**भंडारण की स्थिति :** मूल कंटेनर में सुरक्षित स्थान पर कसकर बंद रखें। सीधी धूप और ठंडे तापमान में भंडारण से बचें।
**सावधानी :** बच्चों की पहुंच से दूर रखें।
**प्राथमिक उपचार के उपाय :** इस उत्पाद से जुड़े कोई विशिष्ट खतरे ज्ञात नहीं हैं, हालांकि त्वचा, आंखों और मुंह के अनावश्यक संपर्क से बचने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए। आंखें: कम से कम १० मिनट पानी से अच्छी तरह से धोएं। यदि असुविधा बनी रहती है तो चिकित्सा सहायता प्राप्त करें। त्वचा: त्वचा को पानी से अच्छी तरह धोएं। सभी संक्रमित कपड़े हटा दें और दुबारा उपयोग से पहले धो लें। गंभीर मामलों में चिकित्सा सहायता प्राप्त करें। निगल लेने पर: पानी से अच्छी तरह से मुंह धोएं, चिकित्सा सहायता प्राप्त करें। सांस से लेना: खुलेंगे जगह से खुली हवा में ले जाएं। गंभीर मामलों में चिकित्सा सहायता प्राप्त करें।
**अस्वीकरण :** चूंकि इस उत्पाद का उपयोग हमारे नियंत्रण से बाहर है, हम उत्पाद की समान गुणवत्ता के अलावा कोई जिम्मेदारी नहीं लेते।

Hindi

# इन्डोलाईजर

**ग्रॅन्यूल्स** — **समुद्री वनस्पतीच्या अर्कावर आधारित जैवउत्तेजक**

इन्डोलाईजर ग्रॅन्युअल्स हे एक अद्वितीय प्रक्रियेद्वारे समुद्री वनस्पतीच्या अर्कापासून प्राप्त होणारे एक सूक्ष्मजीवशास्त्रीय संशोधन उत्पादन आहे. गोपाच्या विविध प्रक्रियाना उत्तेजित करण्यासाठी रोपाची वाढ आणि पीक जास्तीत जास्त वाढवण्यासाठी एक प्रगतिशील तंत्रज्ञान आहे.
**संरचना:**
द्रव बायोमासमध्ये आहे: समुद्री वनस्पतीचा अर्क, हायड्रोलाइझ्ड प्रथीने व अमिनो एसिडस् १% किमान, कॅरियर बेंटोनाइट ग्रॅन्युअल्स: १००% बनवण्यासाठी, **एकूण: १००.००%**
**तपशील:**
रंग: काळ्या रंगाचे कण, गंध: मरीन, पीएच: >४.००, बल्क घनता: >०.८०.
**छंटकोन मोठेचे मार्गदर्शन पद्धत:**
केवळ शेतीवरचिव वापरासाठी. शिफारस केलेल्या खतांच्या (आरडीएफ) मात्रेबरोबर इन्डोलाईजर ग्रॅन्युअल्स १०-१५ किग्रा मिसळा आणि एक हेक्टर क्षेत्रात फवारा.
लहान झाडांसाठी (<५ वर्षे) प्रति झाड इन्डोलाईजर ग्रॅन्युअल्स २०० ग्रा वापरा आणि ५ वर्षांपेक्षा मोठ्या झाडांसाठी शिफारस केलेल्या प्रमाणात खतांच्या मात्रेबरोबर प्रति झाड ५०० ग्राम मिसळा आणि मुळांच्या जवळच्या क्षेत्रात वापरा.

| पीक | वापर | वेळ |
|---|---|---|
| गहू/ ज्वारी/बाजरी/ मका | १ ला वापर | पेरणीनंतर १५-२० दिवसांनी शिफारस केलेल्या खतांच्या मात्रेसोबत |
| | २ रा वापर | पुनरुत्पादक टप्प्यावर, गव्हात लोम्ब्या येणे सुरू होण्याच्या वेळी |
| भात | १ ला वापर | लावणीनंतर १५-२० दिवसांनी शिफारस केलेल्या खतांच्या मात्रेसोबत |
| | २ रा वापर | लोम्ब्या येण्याला सुरवात होण्याच्या टप्प्यावर |
| कपाशी | १ ला वापर | पेरणीच्या वेळी शिफारस केलेल्या खतांच्या मात्रेसोबत |
| | २ रा वापर | पेरणीनंतर ४० ते ४५ दिवसांनी खतांच्या सोबत |
| सोयबीन | १ ला वापर | खतांच्या शिफारस केलेल्या मात्रेसोबत पेरणीच्या वेळी |
| | २ रा वापर | पेरणीनंतर ४० ते ४५ दिवसांनी खतांच्या सोबत |
| ऊस | १ ला वापर | लागवडपूर्वच्या वेळी, खतांच्या सोबत |
| | २ रा वापर | लागवडीनंतर ५०- ते ६० दिवसांनी खतांच्या सोबत |
| केळी | १ ला वापर | लागवडीच्या वेळी खतांच्या सोबत |
| | २ रा वापर | लागवडीनंतर ६० ते ७५ दिवसांनी खतांच्या सोबत |
| | ३ रा वापर | फुले येणे आणि फळ तयार होणे सुरू होण्याच्या वेळी |
| भाज्या, मिरची, फुलकोबी, टोमॅटो, गाजर, कोथिंबीर, पानकोबी | १ ला वापर | पेरणी/लावणीच्या वेळी शिफारस केलेल्या खतांच्या मात्रेसोबत |
| | २ रा वापर | १ ल्या वापरानंतर २०-३० दिवसांनी |
| कांदा/लसूण | १ ला वापर | लावणीनंतर १० दिवसांनी |
| | २ रा वापर | लावणीनंतर ३०-३५ दिवसांनी कांदा तयार होण्याच्या टप्प्यावर |
| बटाटे | १ ला वापर | पेरणीच्या वेळी शिफारस केलेल्या खतांच्या मात्रेसोबत |
| चहा | १ ला वापर | नवीन रोप मुळाच्या क्षेत्रात प्रति रोप २० ग्राम |
| | २ रा वापर | दर ३०-३५ दिवसांनी वापरा |
| सफरचंद | लहान (<५ वर्षे) झाडांसाठी प्रति झाड २०० ग्राम इन्डोलाईजर ग्रॅन्युअल्स वापरा आणि ५ वर्षांपेक्षा मोठ्या झाडांसाठी शिफारस केलेल्या खतांच्या मात्रेसोबत प्रति झाड ५०० ग्राम इन्डोलाईजर ग्रॅन्युअल्स वापरा आणि मुळांच्या क्षेत्राच्या जवळ वापरा | |

**मात्रा :** प्रति हेक्टर १०-१५ किग्रा
**अनुकूलता :** बहुतेक खतांबरोबर अनुकूल.
**साठवण्याच्या अटी :** मूळ कंटेनर घट्ट बंद करून सुरक्षित जागी ठेवा. थेट सूर्यप्रकाश किंवा गोठवणाऱ्या तापमानात ठेवणे टाळा.
**सावधान :** मुलांच्या हाती लागण्यापासून दूर ठेवा.
**प्रथमोपचार :** या उत्पादनाशी संबंधित विशिष्ट ज्ञात धोके नाहीत, थवाचि त्वचा, डोळे आणि तोंडाशी अनावश्यक संपर्क येणे टाळण्याची काळजी घ्यावी. डोळे: किमान १० मिनीटे भरपूर पाण्याने हबके मारा. अस्वस्थता चालू राहिली तर वैद्यकीय मदत मिळवा. त्वचा: संपूर्णपणे पाण्याने धुवा. दूषीत कपडे वापरा आणि पुन्हा वापरण्यापूर्वी धुवा. गंभीर प्रकरणात वैद्यकीय मदत मिळवा. पोटात जाणे: तोंड पाण्याने धुवा, वैद्यकीय मदत मिळवा. श्वासातून आत जाणे: रुग्णाला ताजाच्या हवेत हलवा. गंभीर प्रकरणात वैद्यकीय मदत मिळवा.
**अस्वीकार :** या उत्पादनावर वापर आमच्या नियंत्रणाच्या बाहेर आहे, उत्पादनाच्या एकसमान दर्जाव्यतिरिक्त आम्ही कोणतीही जबाबदारी घेत नाही.

Marathi

# ઇન્ડોલાઇઝર

**દાણાદાર** — **સમુદ્રી વનસ્પતિ અર્કાવર આધારિત જૈવઉત્તેજક**

ઇન્ડોલાઇઝર દાણાદાર એક માઇક્રોબાયોલોજીકલ રિસર્ચ ઉત્પાદન છે જેને અનોખી પ્રક્રિયા દ્વારા સમુદ્રી સેવાળ માંથી પ્રાપ્ત કરવામાં આવ્યું છે. આ એક આધુનિક ટેક્નોલોજીનું ઘડાયેલી સંરચના છે જે વિવિધ પ્લાન્ટ પ્રોસેસીસને ઉત્તેજીત કરે છે અને છોડના વિકાસ અને ઉપજને વધારે છે.
**ઘટક:**
પ્રવાહી બાયોમાસમાં સમાવેશ છે: સમુદ્રી સેવાળ , હાઇડ્રોલિઝ્ડ પ્રોટિન્સ, એમિનો એસિડ્સ: ૫.૦૦% લ્યૂન., કેરિયર બેન્ટોનાઇટ દાણાદાર : જેથી થાય ૧૦૦%, **કુલ : ૧૦૦.૦૦%**
**વિશિષ્ટતા:**
રંગ : કાળા રંગના દાણા, ગંધ: મરીન, pH : > ૪.૦૦, થોક ઘનતા: > ૦.૮૦.
**ઉપયોગ અને ઉપયોગ માટે સૂચનાઓ:**
ફક્ત કૃષિ ઉપયોગ માટે જ છે. ઇન્ડોલાઇઝર દાણાદાર ને ૧૦-૧૫ કિલોને ખાતરની ભલામણ કરેલી માત્રા (આરડીએફ)માં ભેળવીને એક ઇંચ ઉંચકવર સ્તર ઉપર વેરવું.
નાના ઝાડો માટે (<૫ વર્ષ ) ઇન્ડોલાઇઝર દાણાદાર ને પ્રતિ ઝાડ ૨૦૦ ગ્રામ અને મોટાં ઝાડો કે ૫ પાથરવે વધુ છે એના માટે પ્રતિ ઝાડ ૫૦૦ ગ્રામ ખાતરની ભલામણ કરેલી માત્રા સાથે ભેળવીને મૂળની પાસે છાંટો.

| પાક | ડોઝ | સમય |
|---|---|---|
| ઘઉં/ જુવાર/બાજરી/ મકાઇ | ૧લો ડોઝ | ખાતરની ભલામણ કરેલી માત્રા સાથે રોપણી કર્યા પછી ૧૫-૨૦ દિવસે |
| | ૨જો ડોઝ | પુનઃ પ્રજનન તબક્કે, ઘઉંમાં પુષ્પગુચ્છો ફૂટવાની શરૂઆત થાય ત્યારે |
| ડાંગર | ૧લો ડોઝ | ખાતરની ભલામણ કરેલી માત્રા સાથે રોપણી કર્યા પછી ૧૫-૨૦ દિવસે |
| | ૨જો ડોઝ | પુષ્પગુચ્છો ફૂટવાના તબક્કે |
| કપાસ | ૧લો ડોઝ | ખાતરની ભલામણ કરેલી માત્રા સાથે રોપણી કરતી વખતે |
| | ૨જો ડોઝ | ખાતર સાથે રોપણી કર્યા પછી ૪૦થી ૪૫ દિવસે |
| સોયાબીન | ૧લો ડોઝ | ખાતરની ભલામણ કરેલી માત્રા સાથે રોપણી કરતી વખતે |
| | ૨જો ડોઝ | ખાતર સાથે રોપણી કર્યા પછી ૪૦થી ૪૫ દિવસે |
| શેરડી | ૧લો ડોઝ | ખાતર સાથે રોપણી કર્યાના સમયે |
| | ૨જો ડોઝ | ખાતર સાથે રોપણી કર્યાના ૫૦થી ૬૦ દિવસો પછી |
| કેળાં | ૧લો ડોઝ | ખાતરની ભલામણ કરેલી માત્રા સાથે રોપણી કરતી વખતે |
| | ૨જો ડોઝ | ખાતર સાથે રોપણી કર્યાના ૬૦થી ૭૫ દિવસો પછી |
| | ૩જો ડોઝ | ફૂલો બેસવાની શરૂઆત થાય અને ફળનો વિકાસ થાય ત્યારે |
| શાકભાજી, મરચાં, ફ્લાવર, ટામેટા, રીંગણાં, ગાજર, કોથિંબીર, પાનકોબી | ૧લો ડોઝ | ખાતરની ભલામણ કરેલી માત્રા સાથે રોપણી/ રેરૂરોપણી કરતી વખતે |
| | ૨જો ડોઝ | ૧લા છંટકાવના ૨૦-૩૦ દિવસો પછી |
| ડુંગળી/લસણ | ૧લો ડોઝ | રેરૂરોપણીના ૧૦ દિવસો પછી |
| | ૨જો ડોઝ | દડા બનવાના તબક્કે રેરૂરોપણીના ૩૦-૩૫ દિવસો પછી |
| બટાકાં | ૧લો ડોઝ | ખાતરની ભલામણ કરેલી માત્રા સાથે વાવણીના સમયે |
| ચા | ૧લો ડોઝ | યુવાન છોડવાઓ ૨૦ ગ્રામ પ્રતિ ઝાડ, મૂળની પાસે |
| | ૨જો ડોઝ | પ્રત્યેક ૩૦-૩૫ દિવસો પછી છાંટો |
| સફરજન | નાના ઝાડો માટે (<૫ વર્ષ ) ઇન્ડોલાઇઝર દાણાદાર ને પ્રતિ ઝાડ ૨૦૦ ગ્રામ અને મોટાં ઝાડો કે ૫ થી વધારે એના માટે પ્રતિ ઝાડ ૫૦૦ ગ્રામ ખાતરની ભલામણ કરેલી માત્રા સાથે મૂળ પાસે છાંટો. | |

**માત્રા :** પ્રતિ હેક્ટર ૧૦-૧૫ કિલો
**સુસંગતતા:** મોટાભાગનાં ખાતરો સાથે સુસંગત છે.
**સંગ્રહ કરવાની શરતો:** અને અસલ કન્ટેનરમાં સલામત જગ્યાએ ઢાંકણાને ચુસ્તપણે બંધ કરીને રાખો. સીધા સૂર્યપ્રકાશમાં અને શીત્ય જતાં તાપમાનમાં સંગ્રહ કરવાનું ટાળો.
**સાવચેતી :** બાળકોની પહોંચથી દૂર રાખો.
**પ્રાથમિક ઉપચારનાં પગલાં :** આ ઉત્પાદન સાથે સંકળાયેલા કોઈ ચોક્કસ ખતરાઓ નથી, આમ છતાં, ત્વચા, આંખો અને મોં સાથેનો નિરાનાવશ્યક સંપર્ક ટાળો. આંખો: આંખમાં ઓછી ઓછી ૧૦ મિનિટ સુધી આંખોમાં પાણીની છાલક મારો. જો બેચેની ચાલુ રહે તો ડૉક્ટરની સલાહ લો. ત્વચા: ત્વચાને પાણી વડે સારી રીતે ધોઈ નાંખો. દૂષિત થયેલાં કપડાંને કાઢી નાંખો અને ફરી વાર પહેરતાં પહેલાં ધોઈ નાંખો. ઉગ્ર કિસ્સામાંમાં ડૉક્ટરી સલાહ લો. પેટમાં જાય તો: પાણી વડે સારી રીતે કોગળા કરીને મોં ધોઈ નાંખો. ડૉક્ટરની સલાહ લો. શ્વાસમાં જાય તો: દુષિત જગ્યામાંથી ખુલ્લી હવામાં ખસેડો. ઉગ્ર કિસ્સામાંમાં ડૉક્ટરની સલાહ લો.
**અસ્વીકાર :** ઉત્પાદનના વપર આમચ્યા નિયંત્રણથી બહાર આ છે, ઉત્પાદનાચ્યા એકસમાન ગુણવત્તાવિશેષ સિવાય અમે કોઈ જિમ્મેદારી નહીં લેતે.

Gujarati

# ইন্ডোলাইজার

**গ্রেনুলস** — **সমুদ্রী শৈবাল ও অর্ক পর আধারিত বায়োস্টিমুলেন্ট**

ইন্ডোলাইজার গ্রেনুলস সূক্ষ্ম জীব বিজ্ঞান অনুসন্ধান উৎপাদ হৈ জো অদ্বিতীয় প্রক্রিয়া ক্ষারা সমুদ্রী শৈবাল কে অর্ক সে প্রাপ্ত হোতা হৈ। বিভিন্ন পৌধাঁ কী প্রক্রিয়াওঁ কো প্রোত্সাহিত করনে ঔর পৌধাঁ কী বৃদ্ধি ঔর উপজ কো অধিকতম করনে কে লিয় যহ এক উন্নত তকনিকী নির্মাণ হৈ।
**সংরচনা:** তরল বায়োমাস যুক্ত: সমুদ্রী শৈবাল কা অর্ক, হাইড্রোলাইজ্ড প্রোটীন ঔর অমীনো এসিড: ৭% ন্যূনতম, কৈরিয়র বেন্টোনাইট গ্রেন্যুলস: ৭০০% বনানে কে লিয়, **কুল : ৭০০.০০%**
**বিনির্দেশ:**
রঙ: ক'লা রঙ্গ গ্রেনুলসকে, ঘ'ন্ডাব: মেরিন, পিএইচ : > ৪.০০, থোক ঘ্নত্বে: >০.৮০.
**পরিচালনা আঊর প্রয়োগ পদ্ধতি**
মাত্থো সেতিত ব্যবহার বাবে । সাব (আরডিএফ) পরমার্শিত মাত্রার সিতে ইন্ডোলাইজার গ্রেনুলসকে ১০-১৫ কিলো-ত মিশ্রণ করকে আক এক হেক্টের অঞ্চলত ব্'ডকাষ্ট করকে।
সক গছর কাবনে (<৫ বছর) প্রয়োগ করকে ইন্ডোলাইজার গ্রেনুলসকে ২০০ গ্রাম প্রতি গছ সাবর পরমার্শিত মাত্রার মিহলি করকে আক ওচবর ব'ট জ'নত প্রয়োগ করকে ।

| শস্য | প্রয়োগ | সময় |
|---|---|---|
| গেঁহু / জবার / বাজ্রা / মাঁকে | ১ ম প্রয়োগ | সাবর পরমার্শিত মাত্রার সিতে সিঁচার ১৫-২০ দিন পিছত |
| | ২ য় প্রয়োগ | প্রজননন পর্যায়ত, গেঁহুত পেনিকল আবন্ধিলিত |
| ধান | ১ ম প্রয়োগ | সাবর পরমার্শিত মাত্রার সিতে ট্রান্সপ্লান্টিংর ১৫-২০ দিন পিছত |
| | ২ য় প্রয়োগ | পেনিকল আবন্ধিবর পর্যায়ত |
| কঁপাহ | ১ ম প্রয়োগ | সাবর দিয়া হোবা পরমার্শিত মাত্রার সিতে সিঁচার সময়ত |
| | ২ য় প্রয়োগ | সাবর সিতে সিঁচার ৪০-৪৫ দিন পিছত |
| চয়াবিন | ১ ম প্রয়োগ | সাবর পরমার্শিত মাত্রার সিতে সিঁচার সময়ত |
| | ২ য় প্রয়োগ | সাবর সিতে সিঁচার ৪০ ৭ পরা ৪৫ দিন পিছত |
| কুঁইয়াব | ১ ম প্রয়োগ | সাবর সিতে প্লান্টিং করার আগত |
| | ২ য় প্রয়োগ | সাবর সিতে প্লান্টিং করার ৫০ ৭ পরা ৬০ দিন পিছত |
| কল | ১ ম প্রয়োগ | সাবর সিতে প্লান্টিং করার আগত |
| | ২ য় প্রয়োগ | সাবর সিতে প্লান্টিং করার ৬০ ৭ পরা ৭৫ দিন পিছত |
| | ৩ য় প্রয়োগ | ফুলর আবন্ধিলি আক ফলর বিকাশর সময়ত |
| পাতলি, ফুলকবি বিলাহী, বেগেনা, গাজর, ধনিয়া, বন্ধাকবি | ১ ম প্রয়োগ | সাবর পরমার্শিত মাত্রাত সিতে সিঁচা / প্লান্টিংর সময়ত |
| | ২ য় প্রয়োগ | প্রথম প্রয়োগর ২০-৩০ দিন পিছত |
| পিয়াঁজ / নহুক | ১ ম প্রয়োগ | ট্রান্সপ্লান্টিংর ১০ দিন পিছত |
| | ২ য় প্রয়োগ | ট্রান্সপ্লান্টিংর ৩০-৩৫ দিন পিছত বাল্ব ফর্মেশন পর্যায়ত |
| আলু | ১ ম প্রয়োগ | সাবর দিয়া হোবা পরমার্শিত মাত্রার সিতে সিঁচার সময়ত |
| | ২ য় প্রয়োগ | ৩০ ৭ পরা ৩৫ দিন পিছত প্রয়োগ করক |
| আপেল | সক গছর কাবনে (<৫ বছর) ইন্ডোলাইজার গ্রেনুলসকে ২০০ গ্রাম প্রতি গছ ব্যবহার করক আক ডাঙর গছর কাবনে ৫ বছরতকৈ অধিক, সাবর পরমার্শিত মাত্রার সিতে ইন্ডোলাইজার গ্রেনুলসকে ৫০০ গ্রাম প্রতি গছ মিহলি করক আক ব'ট জ'নর ওচরত প্রয়োগ করক । | |

**মাত্রা :** ১০-১৫ কিলোগ্রাম প্রতি হেক্টেয়ার ব্যবহার করক
**সামঞ্জস্যতা :** অধিকাংশ সাবর সিতে সামঞ্জস্যতা হয় ।
**ভণ্ডাৰিত কৰাৰ চৰ্তসমূহ :** আচল কণ্টেইনাৰলৈ ভালদৰে বন্ধ কৰি সুৰক্ষিত ঠাইত ৰাখিব লাগে । সূৰ্যৰ পোনপটিয়াকৈ পোহৰ পৰা ঠাই আৰু কবৰফুচু তাপমাত্ৰাত ৰাখিব নালাগে ।
**সতৰ্কতা :** শিশুৰ পৰা আঁতৰত ৰাখক ।
**প্ৰাথমিক চিকিৎসা :** এই পণ্যৰ লগত জড়িত কোনো বিশেষ বিপদ নাই, তথাপিও ছাল, চকু আৰু মুখৰ সম্পৰ্কত অহাৰ পৰা বাছি অনাৱশ্যকীয়া যোগাযোগ হোৱাৰ পৰা সতৰ্কতাৰ বাবে ৰখা উচিত । চকু : অতিকমেও ১০ মিনিটৰ বাবে পানীৰে চকুটোৰ পখালি লওক । অশান্তি হৈ থাকিলে চিকিৎসাৰ সহায় লওক । ছাল : পানীৰে পুঙানুপুঙাভাৱে পানীৰে আখলি ধোৱা । দূষিত কাপোৰবিলাক আঁতৰাওক আৰু ব্যৱহাৰৰ পূর্বে ধুই লওক । তীব্ৰতৰ ঘটনাত চিকিৎসীয় পৰামৰ্শৰ সন্ধান কৰক । যদি গিলা হৈছে : মুখখন পুঙানুপুঙাভাৱে পানীৰে আখলি ধোৱক, চিকিৎসীয় পৰামৰ্শৰ সন্ধান কৰক । যদি উশাহত নেযেৰে : বিপদযুক্ত ঠাইৰ পৰা প্ৰভাৱিত ব্যক্তিগতভাৱৰ আঁতৰাওক আৰু ভালদৰে বায়ু প্ৰবাহিত হোৱা ঠাইলৈ লৈ যাওক । তীব্ৰতৰ ঘটনাত চিকিৎসীয় পৰামৰ্শৰ সন্ধান কৰক ।
**দাবী পৰিত্যাগ :** যিহেতু এই পণ্যৰ ব্যৱহাৰ আমাৰ নিয়ন্ত্ৰণৰ বাহিৰত, পণ্যৰ ইউনিফৰ্ম গুণগত মানদণ্ডৰ বাহিৰে আমি ইয়াৰ বাবে কোনো দায়িত্ব বহন কৰোঁ নাই ।

Assameses

# ইণ্ডোলাইজর

**দানা** — **সামুদ্রিক শৈবালের নির্যাস ভিত্তিক জৈবউদ্দীপক**

ইণ্ডোলাইজার দানা হলো অনন্য প্রক্রিয়ার মাধ্যমে সামুদ্রিক শৈবালের নির্যাস থেকে আহরিত মাইক্রোবায়োলজী গবেষণা উৎপাদন। এক অত্যাধুনিক প্রযুক্তির ফর্মুলেশন গাছের বিভিন্ন প্রক্রিয়াকে উদ্দীপিত করে এবং গাছের বৃদ্ধি ও ফলন সর্বাধিক করে।
**সংশ্লিষ্ণ:**
ইণ্ডোলাইজার বায়োমাসে আছে : সামুদ্রিক শৈবালের নির্যাস, জলে দ্রবিত্ত প্রোটিন্স, অ্যামিনো অ্যাসিডস : ৫% ন্যূনতম, সংবাহক বেন্টোনাইট গ্র্যানুলস : ১০০% বানাতে, **মোট : ১০০.০০%**
**বৈশিষ্ট্যতা :**
রঙ : কালো রঙের গ্র্যানুলস, গন্ধ : মেরিন, pH : ১৪.০০, সমুদ্রয় ঘ্রুত্ব : >০.৮০.
**প্রয়োগের নির্দেশ এবং পদ্ধতি :**
কেবলমাত্র কৃষিকার্যে ব্যবহারের জন্যে। কৃষিসারের (RDF) সুপারিশকৃত মাত্রার সঙ্গে ১০-১৫ কিগ্রাঃ ইণ্ডোলাইজার দানা মেশান আর এক হেক্টের এলাকায় ছড়িয়ে দিন।
ছোট গাছগুলোর (< ৫ বছর) জন্যে গাছ পিছু ২০০ গ্রাঃ ইণ্ডোলাইজার দানা প্রয়োগ করুন আর ৫ বছরের থেকে বেশী বয়সী বড় গাছগুলোর জন্যে, ৫০০ গ্রাঃ ইণ্ডোলাইজার দানা প্রয়োগ করুন কৃষিসারের সুপারিশকৃত মাত্রার সঙ্গে মিশিয়ে এবং শিকড়ের নিকটবর্তী অঞ্চলে প্রয়োগ করুন।

| ফসল | প্রয়োগ | সময় |
|---|---|---|
| গম / জার / বাজরা / মকাই | ১ম প্রয়োগ | সুপারিশকৃত মাত্রার সঙ্গে একত্রে বপনের ১৫-২০ দিন পর |
| | দ্বিতীয় প্রয়োগ | প্রজননের পর্যায়ে, গমের শীষকাঠি আসায় |
| ধান | ১ম প্রয়োগ | কৃষিসারের সুপারিশকৃত মাত্রার সঙ্গে একত্রে রোপণের ১৫-২০ দিন পর |
| | ২য় প্রয়োগ | শীষকাঠি আসার পর্যায়ে |
| তুলো | ১ম প্রয়োগ | কৃষিসারের সুপারিশকৃত মাত্রার সঙ্গে একত্রে বপনের সময় |
| | ২য় প্রয়োগ | কৃষিসারের সঙ্গে একত্রে বপনের ৪০ থেকে ৪৫ দিন পর |
| সোয়াবিন | ১ম প্রয়োগ | কৃষিসারের সুপারিশকৃত মাত্রার সঙ্গে একত্রে বপনের সময় |
| | ২য় প্রয়োগ | কৃষিসারের সঙ্গে একত্রে বপনের ৪০ থেকে ৪৫ দিন পর |
| আখ | ১ম প্রয়োগ | কৃষিসারের সঙ্গে একত্রে গাছ বসানো-পূর্বক সময়ে |
| | ২য় প্রয়োগ | কৃষিসারের সঙ্গে একত্রে গাছ বসানোর ৫০ থেকে ৬০ দিন পর |
| কলা | ১ম প্রয়োগ | কৃষিসারের সঙ্গে একত্রে গাছ বসানোর সময় |
| | ২য় প্রয়োগ | কৃষিসারের সঙ্গে একত্রে গাছ বসানোর ৬০ থেকে ৭৫ দিন পর |
| | ৩য় প্রয়োগ | ফুলধরায় এবং ফলের বিকাশে |
| শাকসব্জী, ফুলকবি বিলাহী, বেগেনা, গাজর, ধনিয়া, বন্ধাকবি | ১ম প্রয়োগ | কৃষিসারের সুপারিশকৃত মাত্রার সঙ্গে একত্রে বপন/রোপণের সময় |
| | ২য় প্রয়োগ | প্রথম প্রয়োগের ২০-৩০ দিন পর |
| পেঁয়াজ/রসুন | ১ম প্রয়োগ | রোপণের ১০ দিন পর |
| | ২য় প্রয়োগ | রোপণের ৩০-৩৫ দিন পর, কন্দ গঠনের পর্যায়ে |
| আলু | ১ম প্রয়োগ | কৃষিসারের সুপারিশকৃত মাত্রার সঙ্গে একত্রে বপনের সময় |
| চা-পাতা | ১ম প্রয়োগ | কচি গাছে, ২০ গ্রাঃ প্রতি গাছ, শিকড়ের নিকটবর্তী অঞ্চলে |
| | ২য় প্রয়োগ | প্রতি ৩০-৩৫ দিন পর প্রয়োগ করুন |
| আপেল | ছোট গাছগুলোর (<৫ বছর) জন্যে গাছ পিছু ২০০ গ্রাঃ ইণ্ডোলাইজার গ্র্যানুলস প্রয়োগ করুন আর ৫ বছরের থেকে বেশী বয়সী বড় গাছগুলোর জন্যে, ৫০০ গ্রাঃ ইণ্ডোলাইজার গ্র্যানুলস কৃষিসারের সুপারিশকৃত মাত্রার সঙ্গে মিশিয়ে এবং শিকড়ের নিকটবর্